राष्ट्रीय सेवा योजना

NATIONAL SERVICE SCHEME

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी

UDAI PRATAP COLLEGE,

VARANASI

सम्बद्ध महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी – २२१ ००२, उत्तर प्रदेश, भारत

Affiliated to Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi - 221 002, Uttar Pradesh, India

शैक्षिक सत्र: २०२१/२२

ACADEMIC YEAR: 2021/22

एक-दिवसीय शिविर/ ONE-DAY CAMP
एवं/ AND
विशेष शिविर (सात-दिवसीय)/ SPECIAL CAMP (SEVEN-DAYS)
कार्य प्रतिवेदन / WORK REPORT

प्रथम इकाई/ UNIT-I

कार्यक्रम अधिकारी/ PROGRAM OFFICER

डॉ० राजेश कुमार राय/ Dr. RAJESH KUMAR RAI

This page intentionally left blank

अनुक्रमणिका/ CONTENTS

प्रस्तावना iii

संक्षिप्त परिचय vii

खंड 1 - एक-दिवसीय शिविर 1

महत्वपूर्ण तिथि एवं अन्य जानकारी 3

1. प्रथम एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 13.02.2022) 5
2. द्वितीय एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 20.02.2022) 9
3. तृतीय एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 25.02.2022) 13
4. चतुर्थ एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 08.03.2022) 15

खंड 2 - सात-दिवसीय विशेष शिविर (दिन-रात) 19

कार्य योजना 21

मुख्य अतिथि 23

कार्य प्रतिवेदन 25

1. प्रथम दिवस दिनांक- 26.02.2022 (उद्घाटन सत्र) 25
2. द्वितीय दिवस दिनांक- 27.02.2022 31
3. तृतीय दिवस दिनांक- 28.02.2022 35
4. चतुर्थ दिवस दिनांक- 01.03.2022 39
5. पंचम दिवस दिनांक- 02.03.2022 43
6. षष्ठम दिवस दिनांक- 03.03.2022 47
7. सप्तम दिवस दिनांक- 04.03.2022 (समापन सत्र) 51

परिशिष्ट/ APPENDIX 55

A. रा०से०यो० वार्षिक गतिविधि कालदर्शक 55

B. सुझाई गई गतिविधियों की सूची 56

C. प्रेरक उद्बोधन 59

D. व्यक्ति परिचय (राष्ट्रीय सेवा योजना, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) 60

This page intentionally left blank

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना या रा०से०यो० (National Service Scheme or NSS) देश के युवाओं में व्यक्तित्व विकास करने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (Ministry of Youth Affairs And Sports) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह हर साल 24 सितंबर को मनाया जाता है। रा०से०यो० की स्थापना 24 सितंबर, 1969 ई० को की गई थी। इस दिन आयोजित गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के हित के कार्य करते है। जैसे - साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई, आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीडित लोगों की सहायता आदि।

रा०से०यो० का इतिहास व महत्व

सभी देशों के निर्माण में वहाँ के युवाओं का सबसे बड़ा योगदान होता है। आज हमारे देश में करीब 65% जनसंख्या युवा है, जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है और ये युवा देश के विकास में अपनी भूमिका निभा भी रहे हैं। आजादी के बाद एस० राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (University Grants Commission) ने शैक्षिक संस्थानों में स्वैच्छिक राष्ट्रीय सेवा (Voluntary National Service) शुरू करने की संस्तुति की थी। इस पर केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (Central Advisory Board of Education) ने जनवरी, 1950 में अपनी बैठक में विचार किया। जबकि 2 वर्ष बाद भारत सरकार ने पंचवर्षीय योजना (Five-Year Plans) के तहत 1 वर्ष छात्रों के सामाजिक एवं श्रम सेवा पर बल दिया। इसके बाद शिक्षा मंत्री सम्मेलन (Education Ministers Conference) में रा०से०यो० का प्रारूप पेश किया गया। इसके तहत 28 अगस्त, 1959 को एक राष्ट्रीय सेवा समिति (National Service Committee) की स्थापना की गई। जबकि रा०से०यो० (NSS) कार्यक्रम की शुरुआत तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ० वी०के०आर०वी० राव ने 24 सितंबर, 1969 को 37 विश्वविद्यालयों में किया गया था, जिसमें करीब 40 हजार स्वयंसेवियों (volunteers) ने भाग लिया।

रा०से०यो० की वर्तमान स्थिति

रा०से०यो० (NSS) के अंतर्गत आने वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इस समय करीब 39,695 रा०से०यो० इकाइयों में 36.5 लाख से अधिक स्वयंसेवी हैं, जो देश के 391 विश्वविद्यालयों, 2 परिषदों, 16,278 कॉलेजों व तकनीकी संस्थानों और 12,483 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में फैला हुआ हैं। रा०से०यो० की स्थापना के बाद से इससे अब तक करीब 4.78 करोड़ छात्रों को इससे लाभ हुआ है। प्रत्येक रा०से०यो० स्वयंसेवी को प्रति वर्ष कम से कम 120 घंटे अर्थात दो साल में 240 घंटे की सेवा

करना अनिवार्य होता है। यह कार्य रा०से०यो० शाखाओं द्वारा अपनाए गए गांवों या स्कूल/कॉलेज परिसरों में किया जाता है।

आमतौर पर अध्ययन के घंटों के बाद इसे सप्ताहांत/छुट्टियों के दौरान किया जाता है। इसके अलावा, प्रत्येक रा०से०यो० इकाई स्थानीय समुदायों को शामिल करके कुछ विशेष परियोजनाओं (projects) के साथ छुट्टियों में अपनाए गए गांवों या शहरी झुग्गियों में 7 दिनों की अवधि के विशेष शिविरों (special camps) का आयोजन करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक को 2 वर्ष की अवधि के दौरान एक बार विशेष शिविर में भाग लेना जरूरी होता है। इस प्रकार, एक इकाई से लगभग 50% रा०से०यो० स्वयंसेवी विशेष शिविर में भाग लेते हैं।

उदय प्रताप कॉलेज में रा०से०यो०

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी में रा०से०यो० लगभग १९७० के दसक में ही शुरू हो गयी थी। यहाँ स्नातक एवं परास्नातक के विद्यार्थी रा०से०यो० में पंजीकरण कर सकते हैं। उदय प्रताप कॉलेज में इस वर्ष 2022 में रा०से०यो० की कुल ४ इकाई हैं। रा०से०यो० दो वर्ष का कार्यक्रम होता हैं। सफल स्वयंसेवको को अंत में प्रमाणपत्र दिया जाता हैं। प्रथम वर्ष में चार एक-दिवसीय कार्यक्रम होता हैं। द्वितीय वर्ष में चार एक-दिवसीय कार्यक्रम के साथ ही सात-दिवसीय विशेष शिविर भी करना होता हैं। विशेष शिविर दिन-रात का होता हैं। इस वर्ष लगभग ६०० से भी अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था जिसमे से कुल ४०० विद्यार्थी रा०से०यो० के एक-दिवसीय कार्यक्रम के लिए चुने गए थे। सात-दिवसीय शिविर के लिए कुल २०० विद्यार्थी चुने गए।

रा०से०यो० प्रमाणपत्र के लाभ

रा०से०यो० छात्र/छात्राओं को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्ररित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान करती है और उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रा०से०यो० से प्राप्त प्रमाण पत्र स्वयंसेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। छात्र शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय रा०से०यो० प्रमाण पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

1. व्यक्तित्व का विकास (Personality development)
2. प्रवेश (admission) में वरीयता मिलती है।
3. साहसिक कार्यक्रम (Adventure Program) में शामिल होने का मौका मिलता है।
4. राज्य और स्टेट लेवल के प्रोग्राम में जाने का मौका मिलता है।
5. नेतृत्व की गुणवत्ता (Leadership Quality) विकसित होती है।

6. नए लोगों से बातचीत करने का मौका मिलता है।
7. आत्मविश्वास (Self-confidence) बढ़ता है।
8. कौशल की बढ़ोतरी होती है।
9. लोगों को नजदीक से जानने का मौका मिलता है।
10. अलग-अलग सेमिनार में भाग लेने का मौका मिलता है।

महाविद्यालय/विश्वविद्यालय रा०से०यो० वेबसाइट

रा०से०यो०, म०गां०काशी विद्यापीठ, वाराणसी की वेबसाइट (website) का निर्माण गत वर्ष ही हो चुका है। इस वेबसाइट का पता www.nss.office@mgkvp.ac.in है। वेबसाइट पर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसर के रा०से०यो० इकाई द्वारा आयोजित गतिविधियों/कार्यक्रमों की आख्या, फोटोग्राफ एवं अखबारों की कटिंग दिन-प्रतिदिन अपलोड किये जाते रहेंगे।

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी की वेबसाइट https://www.upcollege.ac.in/ हैं। आपसे यह भी अपेक्षित है कि नियमित रूप से महाविद्यालय/विश्वविद्यालय रा०से०यो० वेबसाइट का अवलोकन करते रहें क्योंकि अनेकों सूचनाएं वेबसाइट के माध्यम से आपको प्रेषित की जाएंगी।

मई, 2022
वाराणसी

डॉ० राजेश कुमार राय

This page intentionally left blank

संक्षिप्त परिचय

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (Historical Background)

स्वतन्त्रता प्राप्ति के प्रारम्भ से ही छात्रों को राष्ट्रीय सेवा के प्रति जागरुक करने का प्रयत्न होता रहा है। सन् 1950 में प्रथम शिक्षा आयोग (Education Commission) ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा के लिए भावना के आधार पर प्रवेश के लिए संस्तुति की। इसके साथ ही डॉ० सी०डी० देशमुख की अध्यक्षता में एक आयोग बनाया गया जिसका उद्देश्य छात्रों को स्नातक कक्षाओं में प्रवेश से पूर्व राष्ट्रीय सेवा अनिवार्य रूप से करनी थी।

अप्रैल, 1967 में विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की बैठक में कहा गया कि छात्रों को राष्ट्रीय कैडेट कोर या एन०सी०सी० (National Cadet Corps or NCC) में (जो कि प्रारम्भ से ही थी) अथवा एक नवीन कार्यक्रम जो राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) के नाम से बनाया गया था, भाग ले सकते हैं। मेधावी खिलाड़ी (meritorious player) इन योजनाओं से मुक्त रहेंगे और यह एक अन्य योजना राष्ट्रीय खेलकूद संगठन (National Sports Organization or NSO) में भाग ले सकते हैं ताकि खेलकूद के विकास पर भी समुचित ध्यान दिया जा सके।

सितम्बर, 1967 में उपकुलपतियों के एक सम्मेलन में प्रस्तावों का स्वागत किया गया एवं सुझाव दिया गया कि उपकुलपतियों (Vice Chancellors) की एक विशेष समिति बनाई जाए जो इसके बारे में विस्तार से विचार कर सके। इसके परिणामस्वरूप योजना आयोग (Planning Commission) द्वारा पांच करोड़ रुपये चतुर्थ पंचवर्षीय योजना (Fourth Five Year Plan) में रा०से०यो० को अनुदान दिया गया जिससे चयनित विद्यालयों एवं अन्य शिक्षा संस्थानों में प्रयोग के आधार पर उसे प्रारम्भ किया गया। इसके पश्चात सत्र 1969-70 में शिक्षा मंत्रालय (Ministry of Education) द्वारा समस्त स्नातक कक्षाओं में रा०से०यो० को प्रारम्भ किया गया।

योजना के प्रति छात्रों की प्रतिक्रिया बहुत शानदार रही है। सन् 1969 में रा०से०यो० की शुरुआत 40 हजार विद्यार्थियों से हुई। यह संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती रही एवं वर्तमान में केवल उ०प्र० में 197 हजार तथा सम्पूर्ण भारत में 29 लाख से अधिक पहुँच गई है।

इस समय योजना का विस्तार सभी राज्यों और देश के सभी विश्वविद्यालयों में हो गया है। छात्र-अध्यापक माता-पिता, अभिभावक, सरकार, विश्वविद्यालयों और कालेजों में काम करने वाले अधिकारी तथा सामान्य नागरिक अब रा०से०यो० की आवश्यकता और उसकी उपादेयता में जागरुकता आई है। वे जनता की कठिनाइयों को अच्छी तरह समझने लगे हैं और उनका विश्लेषण करने लगे हैं। इस प्रकार रा०से०यो०

शिक्षा को समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने में एक ठोस प्रयास है। रा०से०यो० की कुछ इकाईयों ने अपने शानदार कार्य और अनुकरणीय आचरण से मिसाल कायम की है जिससे समाज ने उन्हें आदर दिया है और उनमें अपना विश्वास व्यक्त किया है। अकाल के मुकाबले में युवा (1973), गन्दगी और बीमारी के विरुद्ध युवा (1974-75), "वन रोपण और पेड़ लगाने के लिए युवा" (1975), 'आर्थिक विकास के लिए युवा" और युवा ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए (1976-77), और उससे आगे के विषयों के अन्तर्गत सत्र 2003-04 से "स्वच्छता के लिए युवा" विशेष शिविर आयोजित किये गये, जिनका परिणाम समाज और छात्र वर्ग दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ है। विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा की गयी समाज सेवा के अन्तर्गत कई पहलू जैसे गहन उत्थान कार्य के लिए ग्रामों का ग्रहण, चिकित्सा, समाज सर्वेक्षण, चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना, जन प्रतिरक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य रक्षा के संगठित प्रयत्न, समाज के कमजोर वर्ग के लिए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम, रक्तदान, अस्पताल जाकर रोगियों की मदद करना, अनाथों और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को गृह सदस्य बनाना आदि समाविष्ट हो गये हैं। रा०से०यो० के स्वयंसेवकों ने आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु में तूफान पीड़ितों की सहायता करके, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार, उ०प्र० और दिल्ली में बाढ़ के दौरान महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सूखे के दौरान लोगों की सहायता करके प्रशंसनीय कार्य किया है। रा०से०यो० के स्वयंसेवकों को दिसम्बर, 1984 में भोपाल में जो गैस दुर्घटना हो गयी थी, उस दौरान गैस पीड़ितों को राहत पहुँचाने में सक्रिय भूमिका अदा की। रा०से०यो० के छात्रों ने सामाजिक बुराईयां के उन्मूलन में और राष्ट्रीय स्तर पर मान्य लक्ष्यों जैसे भारतीयता में गर्व महसूस करना, स्वतन्त्रता, समाजवाद, धर्मनिर्पक्षता, राष्ट्रीय एकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के अभियान में भी उपयोगी कार्य किया है।

विश्वास (Belief)

लोगों के जीवन को उन्नतिशील बनाने हेतु जब तुम उन्हें उत्तरदायित्व सौंपते हो, जब तुम उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न करते हो, जिसके अभाव में वे कुछ भी नहीं हैं। जब उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न हो जाता है तब वे अति कठिन परिस्थितियों में भी जूझकर उनका समाधान कर सकते हैं और उनमें यह आत्मविश्वास जाग्रत करने के लिये आवश्यक है कि तुम्हें उनकी राष्ट्र निर्माण की शक्ति पर पूरा भरोसा हो। विश्वास से विश्वास उपजता है और प्रजातन्त्र तब पनपता है जब समस्त जन समुदाय विशेष कर समाज के कमजोर वर्गों के लोग पूरी तरह तथ्य को स्वीकार करें।

---स्वामी विवेकानन्द

प्रस्तावित विचार (Proposed Idea)

जो कार्यक्रम पिछले 16 वर्ष से प्रवर्तन (enforcement) में रहा है और जिसका परिणाम व गुण दोनों दृष्टियों से विस्तार हुआ है, उसका सातवीं पंचवर्षीय योजना (Seventh Five Year Plan, 7FYP) के

प्रारम्भ में मूल्यांकन करने के लिये और उसमें अधिक सुधार लाने के विचार से अगस्त, 1984 में सरकार द्वारा गठित पुनर्निरीक्षण समिति (review committee) ने पुनर्निरीक्षण किया। इस समिति ने जो महत्वपूर्ण सुझाव दिये उनमें एक महत्वपूर्ण सुझाव यह था कि रा०से०यो० के कार्यक्रम से बहुत बड़ी सम्भावनाएँ हैं अतः इसे जारी रखा जाना चाहिए और इसका विस्तार किया जाना चाहिए। समिति ने यह भी समर्थन की थी कि क्योंकि वर्ष 1984-85 में रा०से०यो० के अन्तर्गत 6.10 लाख छात्र सम्मिलित हए, इस आधार पर सातवीं पंचवर्षीय योजना (7FYP) के प्रत्येक वर्ष में योजना के अधीन छात्रों को समाविष्ट कर लेने की दर 10 रख लेने से यह आशा की जा सकती है कि वर्ष 2000-01 तक 40 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल हो चुके हैं। समिति की यह संस्तुति सरकार ने स्वीकार कर ली है और दसवीं पंचवर्षीय योजना (10FYP) के अन्त तक कार्यक्रम के अन्तर्गत 50 लाख विद्यार्थियों को शामिल करने का लक्ष्य प्राप्त किया जाना है। मूलतः योजना स्नातक (UG) स्तर के छात्रों के लिए होगी परन्तु स्नातकोत्तर (PG) छात्र भी इसमें भाग ले सकेंगे। जिन विश्वविद्यालयों में छात्र दूसरे विश्वविद्यालयों की तुलना में कम सम्मिलित हो रहे हैं उनकी संख्या में वृद्धि के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य के लिए राज्य सरकारों से आशा की जाती है कि वे अपने बजट में रा०से०यो० के अधीन प्रत्येक वर्ष जो 10% की वृद्धि की जायेगी उसके खर्च वहन करने के लिए आवश्यक प्रावधान बना लें।

सिद्धान्त वाक्य/ प्रत्यवचन (Motto)

राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) का सिद्धान्त वाक्य अथवा प्रत्यवचन है **"मैं नहीं आप"** (Not Me But You) । यह सिद्धान्त वाक्य प्रजातांत्रिक ढंग से रहने का सार बताता है, निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता का समर्थन करता है। यह बताता है कि हम दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की सराहना करने वाले बनें तथा सजातीय मनुष्यों के लिए सहानुभूति रखें। यह घोषणा करता है कि व्यक्ति का कल्याण अन्तिम रूप से सम्पूर्ण समाज का कल्याण होने पर ही निर्भर करता है इसलिए रा०से०यो० प्रतिनिधि का लक्ष्य यह होना चाहिए कि इस सिद्धान्त वाक्य का प्रदर्शन व अपने दैनिक कार्यक्रम में करे।

समाज को आपसे नहीं, आपकी दौलत से प्यार है। दौलत वह नहीं जो आपने अर्जित की है बल्कि वह जिसके द्वारा अर्जित की है। वह आपके अन्तःकरण में ही निहित है। जिसे लोग बौद्धिक क्षमता के नाम से जानते हैं।

प्रेरणा पुरुष (Inspiration Man)

मानव सेवा एवं युवा चेतना के प्रतीक स्वामी विवेकानन्द को रा०से०यो० का प्रेरणा पुरुष मान्य किया गया है। स्वामी विवेकानन्द जी को 1984 में भारत सरकार ने युवाओं का प्रतीक पुरुष माना तब से ही रा०से०यो० में उन्हें अपने प्रतीक पुरुष के रूप में मान्य किया।

प्रतीक चिह्न (Insignia)

रा०से०यो० का प्रतीक चिह्न उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मन्दिर के रथ चक्र पर आधारित

है। सूर्य मन्दिर के ये विशाल चक्र सृजन, संरक्षण और निर्मुक्ति के आवर्तन को अभिव्यक्त करते हैं तथा काल और स्थान से परे जीवन में गति का महत्व बताते हैं। प्रतीक का अभिकल्प सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है, मुख्यतः गति को दर्शाता है। चक्र जीवन के प्रगतिशील चक्र को व्यक्त करता है। यह निरन्तरता का और साथ ही परिवर्तन का भी प्रतीक है और रा०से०यो० को समाज में परिवर्तन लाने और उसे उन्नत करने के लिए निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करने का द्योतक है।

संदेश (Message)

रा०से०यो० से ये संदेश प्रसारित होते है -

1. सफलताओं का श्रेय उदारतापूर्वक दूसरों को देते हुए अपने उत्तरदायित्वों का वहन करो।
2. अपने प्रयासों एवं कार्यों के परिणाम की धैर्य से प्रतीक्षा करो।
3. कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है।
4. परिवार के प्रत्येक सदस्य की क्षमताओं का उपयोग तदानुसार करो, वे सब ही तुम्हारी शक्ति के स्रोत हैं।
5. आप जहाँ भी जायेंगे हर जगह आपको ना मिलेगी, हर ना को हाँ में बदलना ही आपकी योग्यता का प्रमाण है।

बैज (Badge)

रा०से०यो० का प्रतीक चिह्न रा०से०यो० के बैज पर उत्कीर्ण है। रा०से०यो० के स्वयंसेवक समाज की सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए इसे लगाते हैं। कोणार्क के सूर्य मन्दिर के रथ में 24 पहिये हैं जो सम्पूर्ण दिन के 24 घण्टों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पहिये में 8 तीलियाँ हैं जो 8 प्रहर दर्शाते हैं। इसलिए जो व्यक्ति इस बैज को धारण करता है उसे यह बैज याद दिलाता है कि वह राष्ट्र सेवा के लिए दिन-रात अर्थात् 24 घंटे (आठ प्रहर) तत्पर रहे। बैज में जो लाल रंग है वह इस बात का संकेत करता है कि रा०से०यो० के स्वयंसेवकों में पूरा उत्साह है और वे जीवंत हैं, सक्रिय हैं और उनमें स्फूर्ति है। गहरा नीला रंग उस ब्रह्माण्ड की ओर संकेत करता है जिसका रा०से०यो० एक छोटा सा अंश है और जो मानव मात्र का कल्याण करने के लिए अपना अंशदान करने को तैयार है।

साधारण स्तर के जीवन यापन के लिए प्रातः 10.00 से सायं 6.00 बजे तक कार्य करना आपकी आवश्यकताओं के लिए संतोषजनक है किन्तु जीवन में यदि कुछ कर दिखाना चाहते हैं तो प्रातः 6 से रात्रि 10 बजे तक कार्य करना सीखो।

लक्ष्य (Aim)

समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास।

उद्देश्य (Objective)

सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास। सभी युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अवसर प्रदान करना है। रा०से०यो० का एकमात्र उद्देश्य युवा

छात्रों को सामुदायिक सेवा देने में अनुभव प्रदान करना है।

सहायक उद्देश्य (Secondary Objective)

1. लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
2. स्वयं को सृजनात्मक और रचनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना।
3. स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
4. समस्याओं को कुछ न कुछ हल करने में स्वयं की प्रतिमा का व्यावहारिक उपयोग करना।
5. प्रजातांत्रिक नेतृत्व को क्रियान्वित करने में दक्षता प्राप्त करना।
6. स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना।
7. शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
8. समुदाय के कमजोर वर्गकी सेवा के लिए स्वयं में इच्छाएँ जागृत करना।

- समस्याओं के समाधान हेतु मध्य मार्ग अपनाना, सदैव हितकर होता है।
- व्यक्ति की क्षमता का आंकलन करने के बाद ही उसको तदनुसार जिम्मेदारियाँ सौपनी चाहिए। यदि व्यक्ति असफल होता है तो इसे अपनी असफलता मानो।
- नेतृत्व करो किसी के नेतृत्व में स्वयंसेवक बनो, स्वयंसेवक बनाओ।
- अपने लिए छाँव रखो, दूसरों को छाँव दो।

रा०से०यो० की थीम /विषय-वस्तु (Theme)

प्रत्येक वर्ष रा०से०यो० के कार्यक्रम किसी थीम के आधार पर चलाये जाते हैं। विगत वर्षों में 'अकाल के लिए युवा', 'स्वच्छता के लिये युवा', 'जल संरक्षण के लिए युवा', 'ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए युवा' 'कौशल विकास के लिए युवा' आदि विषयों पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के द्वारा थीम निर्धारित की गई थी। योजना के कार्यक्रमों के अन्तर्गत कतिपय कार्यक्रमों का संचालन उस वर्ष के लिए घोषित थीम के आधार पर भी किया जाता हैं। सत्र 2012-13 के लिये विषय थीम "स्वास्थ्य एवं जनस्वच्छता तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य" निर्धारित की गई। वर्ष 2019-20 से रा०से०यो० शिविरों की विषय-वस्तु (Theme) "**कौशल विकास हेतु युवा**" निर्धारित की गई।

रा०से०यो० स्वयंसेवक (NSS Volunteers)

जिस किसी भी छात्र का नाम रा०से०यो० स्वयंसेवक के रूप में लिखा गया हो उसे एक वर्ष में न्यूनतम 120 घंटे के लिए समाज कार्य में रखने के हिसाब से निरन्तर दो वर्ष की अवधि के लिए अर्थात् 240 घंटे के लिए कार्य करना होता है तथा विशेष शिविर सात दिवसीय होता है। उसे रा०से०यो० के कार्यक्रमों में पूरी तरह भाग लेना चाहिए और रा०से०यो० के उद्देश्यों से अच्छी तरह परिचित हो जाना चाहिए। छात्र से एक वर्ष के दौरान जो 120 घंटों के लिए सेवा करने की आशा की जाती है उसमें से प्रथम वर्ष

में वह न्यूनतम 20 घंटे तो स्थापन पूर्व अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित रूप से लगाएँ –

1. सामान्य अभिविन्यास 2 घंटे
2. विशेष अभिविन्यास 8 घंटे
3. कार्यक्रम के कौशल को सीखना 10 से 20 घंटे

रा०से०यो० स्वयंसेवक के कर्तव्य (Duties of NSS Volunteer)

1. परियोजना क्षेत्र में व्यक्तियों के साथ सम्पर्क स्थापित करें।
2. समाज की आवश्यकताओं, कठिनाईयों और उपलब्ध साधनों का पता लगाएँ।
3. कार्यक्रमों की योजना बनाना और उन्हें कार्यान्वित करना।
4. जिन समस्याओं का पता लग जाए उनके समाधान खोजने की दिशा में अपने ज्ञान और अनुभव को लगाना।
5. अपनी डायरी में क्रियाकलापों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करना। और प्रगति का आवधिक रूप से आंकलन करना और जिस तरह के परिवर्तन करने की आवश्यकता हो, उन्हें प्रभावी बनाना।

स्वयंसेवकों के लिए आचार संहिता (Code of Conduct for Volunteers)

1. सभी स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नामित किये गये समूह के नेता के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।
2. वे अपने को समूह/समाज के नेतृत्व के विश्वासभाजन और सहयोगी बनने के अनुकूल बनायेंगे।
3. वे इस बात की अत्यधिक सावधानी रखेंगे कि किसी विवादास्पद विषय में न फंसे।
4. वे डायरी के संलग्न पृष्ठे में अपनी दैनिक गतिविधियों/अनुभवों का रिकार्ड रखेंगे और उसे आवधिक मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए समूह के नेता/कार्यक्रम अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे।
5. प्रत्येक स्वयंसेवक रा०से०यो० का कार्य करते समय बैज अनिवार्यतः लगायेगा।

- सेवा योजना की सफलता का वास्तविक लाभ वह है जो उस सेवा योजना द्वारा समाज के निर्बल वर्ग को प्राप्त होता है।
- आप अपनी योग्यता का मापदण्ड वह मानते हैं जो आप कर सकते हैं जब कि अन्य लोग आपकी योग्यता का मापदण्ड वह मानते हैं जो आपने किया है।
- चरित्र एक वृक्ष के समान है और यश उस वृक्ष की छाया के समान। छायारूपी यश बना रहे इसके लिए चरित्र रूपी वृक्ष को सींचते रहो।

रा०से०यो० के कार्यक्रमों का स्वरूप (Nature of Programs of NSS)

रा०से०यो० के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होता है

1. सामान्य कार्यक्रम
2. विशेष शिविर कार्यक्रम

१- सामान्य कार्यक्रम (General Program)

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत रा०से०यो० में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयंसेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम १२० घण्टे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् २४० घण्टे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

२- विशेष शिविर कार्यक्रम (Special Camp Program)

रा०से०यो० की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का आनन्द लेते हैं। एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य अनुभव करते हैं एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं।

रा०से०यो० के विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। जो विश्वविद्यालय स्तर पर ग्रीष्मावकाश और शीतावकाश में ग्रामीण क्षेत्रों/शहरी गन्दी मलिन बस्तियों/हरिजन बस्तियों में 7 दिन की अवधि का होता है। साधारणतया शिविर में 40-50 छात्र-छात्राएँ होते हैं। उच्च स्तरीय इण्टर कालेजों एवं राज्य स्तरीय शिविरों का भी समय-समय पर आयोजन किया जाता है।

शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का आनन्द लेते हैं, एक अच्छे नागरिक के कर्तव्य अनुभव करते हैं एवं समाज के लिए क्या सेवा कर सकते हैं, इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं।

गतिविधियाँ (Activities)

रा०से०यो० के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ आती हैं -

1. महाविद्यालय प्रांगण का सौन्दर्यीकरण
2. अभिनव एवं प्रशिक्षण
3. कौमी एकता एवं युवा सप्ताह कार्यक्रम
4. ग्राम विकास कार्यक्रम
5. प्रौढ़ - साक्षरता, परिवार कल्याण कार्यक्रम
6. एक दिवसीय शिविर (तीन)
7. पर्यावरण सुधार कार्यक्रम
8. सात दिवसीय विशिष्ट शिविर
9. एड्स संबंधी विभिन्न जानकारी एवं चेतना कार्यक्रम आदि

विभिन्न दिवसों का आयोजन (Celebration of different days)

सत्र 2021-22 में समस्त कार्यक्रमाधिकारियों को नियमित कार्यक्रम के

अन्तर्गत 120 घंटे की कार्य योजना बनानी है जिसमें चार एक दिवसीय शिविर भी सम्मिलित है। इन कार्यक्रमों में सभी स्वयंसेवकों की सहभागिता अनिवार्य है।

मै नहीं तू (Not Me But You)

स्वर्ग और नर्क की, चिन्ता को छोड़कर
अपने स्व और अहम् को भूलकर
केवल तुझे याद कर
धर्म सम्प्रदाय की विधाओं को छोड़कर
अशिक्षा, दरिद्रता, शोषण को दूर
पीड़ित मानवता की सेवा में
बुद्ध की भाँति, जीवन उत्सर्ग हेतु
प्रयाण है - नव प्रभात को
आदि है यह, अन्त है, अन्त तक।

- स्वामी विवेकानन्द

लक्ष्य गीत (Aim Song)

उठे समाज के लिए, उठे, उठे-2
जगें स्वराष्ट्र के लिये, जगें, जगें

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें-2
हम उठे, उठेगा जग, हमारे संग साथियों
हम बढ़ें, तो सब बढ़ेंगे, अपने आप साथियों
जमीं पे आसमान को उतार दें-2
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठे
उठे समाज के लिए.....
उदासियों को दूर कर, खुशी को बाँटते चलें
गाँव और शहर की दूरियों को पाटते चलें
ज्ञान को प्रचार दें, प्रसार दें।
विज्ञान को प्रचार दे, प्रसार दें।
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठे
उठे समाज के लिए.....
समर्थ बाल वृद्ध और नारियाँ रहे सदा
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नई कतार दें
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठे
उठे समाज के लिए.....
ये जाति-धर्म-बोलियाँ, बनें न शूल राह की
बढ़ायें बेल प्रेम की, अखण्डता की चाह की
भावना से यह चमन निखार दें
सद्भावना से यह चमन निखार दें।
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठे
उठे समाज के लिए.....

संकल्प गीत (Pledge Song)

अपनी खुशिया चलो बाँट आये

खुद जिए सबको जीना सिखाये
अपनी खुशियाँ चलो बाँट आये

कितनी खुशियाँ हैं दुनिया में देखो
दोनो हाथों से इनको समेटो
आ खुशियों की फसले उगायें
अपनी खुशियाँ.....
है बड़ी खूबसूरत कहानी
जिसको कहते हैं हम ज़िंदगानी
आओ सब प्यार का गीत गायें
अपनी खुशियाँ.....
तोड़ लाएं चलो सब सितारे
आओ हम पकड़े जुगनू सारे
जिस से हर घर में दीपक जलाएं
अपनी खुशियाँ.....

राजर्षि कुलगीत (Rajarshi Kulgeet)

(दृढ राष्ट्रभक्ति पराक्रमश्च:)
विद्या का ऐसा मंदिर, कोई कही नहीं है।
राजर्षि-कीर्ति मंदिर, जैसा कही नहीं है॥

राजर्षि का यह उपवन, होता जहाँ मगन-मन।
सरसे जहाँ सुधाकन, विज्ञान-ज्ञान पावन॥
काशी की ज्ञानगंगा, गुरुकुल नवल-धवल है।
उस देव से तपोधन, की कल्पना प्रबल है॥
विद्या....

दृढ राष्ट्रभक्ति मन में, शक्ति भरी हो तन में।
बलिदान देश के हित, सेवा का भाव जन में॥
क्षत्रित्व से है जिसने, इस देश को जगाया।
शिक्षा के दीप से है, तम-तोम को भगाया॥
विद्या....

सर्वस्व दानदाता, के पुण्य की पताका। मानव को रचने वाली, नवज्योति की शलाका॥
नित-सत्य के लिए ही, है सत्य का आराधन।
वेदान्त-योग केवल, जीवन के सच्चे साधन॥
विद्या....

मस्तक में ज्ञान-गरिमा, मानस में भाव उज्जवल। मंगल विधान करना, शिक्षा का ध्येय केवल॥ प्राचीन का समागम, नव-ज्ञान का भी उदगम। यह लक्ष्य लेके आगे, बढ़ते रहें सदा हम॥ विद्या....

राजर्षि गीत (Rajarshi Song)

तुम सुरपुर सुरतरु पितृदेव! हम संतति-सुमन तुम्हारे हैं। राजर्षि! तुम्हारे पदरज ही सम्बल, बल, शौर्य हमारे हैं॥
हम क्या दे तुम्हे अमरदानी! निजवरद-हस्त आगे कर दो। लो यह अभिनन्दन! पत्र, पुष्प, झोली आशीषो से भर दो॥

सार (Summary)

आज रा०से०यो० (NSS) विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। रा०से०यो० ने अपने गौरवशाली 50 वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है। आइए, हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

This page intentionally left blank

खंड 1 - एक-दिवसीय शिविर

एक-दिवसीय शिविर
One-Day Camp

1. प्रथम एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 13.02.2022)
2. द्वितीय एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 20.02.2022)
3. तृतीय एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 25.02.2022)
4. चतुर्थ एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 08.03.2022)

This page intentionally left blank

महत्वपूर्ण तिथि एवं अन्य जानकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०)

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी

	एक-दिवसीय शिविर	तिथियाँ
1.	प्रथम एक-दिवसीय शिविर	13.02.2022
2.	द्वितीय एक-दिवसीय शिविर	20.02.2022
3.	तृतीय एक-दिवसीय शिविर	25.02.2022
4.	चतुर्थ एक-दिवसीय शिविर	08.03.2022

कार्यक्रम स्थल

उदय प्रताप कॉलेज परिसर, वाराणसी

इकाई	कार्यक्रम अधिकारी	आवंटित गाँव
1.	डॉ० राजेश कुमार राय	चक्का, वाराणसी
2.	डॉ० सपना सिंह	गणेशपुर, वाराणसी
3.	डॉ० संजीव कुमार सिंह	भवानीपुर, वाराणसी
4.	डॉ० मनोज कुमार सिंह	चमाव, वाराणसी

आवंटित इकाईयों की संख्या	04
कुल विद्यार्थियों (स्वयंसेवकों) की संख्या	400

This page intentionally left blank

1. प्रथम एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 13.02.2022)

स्थान - कक्ष संख्या 11 कला संकाय (उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ।

मुख्य अभियान - नशा उन्मूलन एवं नशा मुक्ति (Drug Elimination and Drug De-addiction)

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी में राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) की प्रथम इकाई (Unit 1) का प्रथम एक-दिवसीय शिविर (First One-Day Camp) का प्रारम्भ 13 फरवरी, 2022 को हुआ। प्रथम एक-दिवसीय शिविर में स्वयंसेवको (छात्र/छात्राओं) को महाविद्यालय परिसर में रा०से०यो० के उद्देश्य के बारे में बताया गया। सभी उपस्थित 100 स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और उत्साह से अपने परिसर की साफ़-सफाई किया। तदुपरांत अपने कार्यक्रम अधिकारी (program officer) के साथ कमरे में बैठ गये। कक्ष में स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान (Cleanliness Campaign), नशा उन्मूलन एवं नशा मुक्ति (Drug Elimination and Drug De-addiction), मतदाता जागरूकता (Voter Awareness) और बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ (Save daughter, educate daughter) अभियान के बारे में बताया गया।

रा०से०यो० के 'लक्ष्य गीत' के बाद मतदाता जागरूकता, नशामुक्ति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर संगोष्ठी हुआ। स्वयंसेवको ने अपने विचार रखे और सामूहिक चर्चा भी किया। डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ने अपने विचार रखे एवं स्वयंसेवको (volunteers) का मार्गदर्शन भी किया। प्राचार्य ने स्वयंसेवको को रा०से०यो० के बारे में अपने जीवन से जुड़े कुछ अनुभव भी सांझा किये। सभी स्वयंसेवक रा०से०यो० (NSS) के प्रथम दिन बहुत

उत्साहित दिखे। समाज के प्रति कुछ करने की चाह से भरे हुए स्वयंसेवक रा०से०यो० से जुड़ाव महसूस कर रहे थे।

चित्र १: डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) रा०से०यो० के प्रथम दिवस पर स्वयंसेवको के साथ वार्ता करते हुए और साथ में डॉ० सुधीर कुमार शाही (असोसिएट प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग) ।

कार्यक्रम प्रभारी व कार्यक्रम अधिकारी (program in-charge and program officer) डॉ० राजेश कुमार राय ने रा०से०यो० की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सिद्धांत वाक्य, प्रतीक चिन्ह/बैज, लक्ष्य एवं उद्देस्य, स्वयंसेवको के कर्त्तव्य के बारे में छात्रों को बताया। साथ ही रा०से०यो० के भविष्य के कार्यक्रम एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना ही रा०से०यो० (NSS) का लक्ष्य है। स्वयंसेवकों ने टोली में अपने बैनर के साथ परिसर व आस-पास के क्षेत्र में घूमकर समाज के लोगों को जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने जनजागरूकता रैली निकालकर लोगों को सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर जागरूक करने का प्रयास किया। कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूरा पालन करने की हिदायत दी गयी।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

वाराणसी। यूपी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। रासेयो के लक्ष्य गीत के पश्चात् मतदाता जागरूकता, नशामुक्ति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर संगोष्ठी हुआ। छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे । कालेज के प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह ने अपने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। सभी छात्र छात्राओं में उत्साह रहा। कार्यक्रम प्रभारी डॉ राजेश कुमार राय ने राष्ट्रीय सेवा योजना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सिद्धांत वाक्य, प्रतीक चिन्ह, लक्ष्य एवं उद्देस्य, स्वयंसेवको के कर्तृतव्य के बारे में छात्रों को बताया । साथ ही उन्होंने रासेयो के भविष्य में कार्यक्रम एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला । डॉ सुधीर कुमार शाही और डॉ पंकज कुमार सिंह की उपस्थिति मे सभी चार यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार राय, डॉ मनोज कुमार सिंह, डॉ संजीव कुमार सिंह, डॉ सपना सिंह,डा शशिकांत द्विवेदी एवं छात्र - छात्राओं ने विचार-विमर्श किया ।

चित्र २: प्रहरी मीमांसा हिन्दी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित (दिनांक 14-02-2022) ।

चित्र ३: डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी), डॉ० सुधीर कुमार शाही (असोसिएट प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग), डॉ० डी०डी० सिंह (कंप्यूटर विभाग), डॉ० पंकज कुमार सिंह (असोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग), डॉ० शशिकांत द्विवेदी (असोसिएट प्रोफेसर, भौतिक विज्ञान विभाग) एवं चारो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी, सभी स्वयंसेवको के साथ उपस्थित रहे।

डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ने कहा कि राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार (Ministry of Youth Affairs and Sports, Government of India) द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। रा०से०यो० का आदर्श वाक्य है -**'मैं नहीं, बल्कि आप'**।

डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह ने उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी में आयोजित रा०से०यो० के कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवको को रा०से०यो० की गतिविधियां बताते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही समाजोपयोगी कार्यों में रत रहने से उनमें समाज सेवा या राष्ट्र सेवा के गुणों का विकास होता है। इसके कार्यक्रमों में साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित लोगों की सहायता आदि शामिल हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवी सामुदायिक सेवा के जरिए युवा विद्यार्थियों में व्यक्तित्व एवं चरित्र का विकास करना है।

प्रत्येक रा०से०यो० स्वयंसेवक को दो वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष न्यूनतम 120 घंटे सामुदायिक सेवा में लगाने पड़ते हैं। इसका अर्थ यह है कि दो वर्षों के दौरान स्वयंसेवक को कुल मिलाकर 240 घंटे सामुदायिक सेवा में लगाने पड़ते हैं। यह कार्य रा०से०यो० इकाई द्वारा गोद लिये गए गांवों/ झुग्गी-बस्तियों अथवा स्कूल/कॉलेज के परिसरों में अध्ययन अवधि के बाद या सप्ताहांत के दौरान किया जाता है। प्रत्येक रा०से०यो० इकाई कुछ विशिष्ट परियोजनाओं के साथ छुट्टियों के दौरान गोद लिये गये गांवों या शहरी झुग्गी-बस्तियों में 7 दिनों का विशेष शिविर लगाती है, जिसमें स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाता है। प्रत्येक स्वयंसेवक को दो वर्षों की अवधि के दौरान एक बार विशेष शिविर में भाग लेना पड़ता है।

2. द्वितीय एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 20.02.2022)

स्थान - वरुणा पूल के पास मंदिर परिसर (सिकरौल, वाराणसी) ।

मुख्य अभियान - महिलाओं के प्रति जागरूकता (Awareness about Women's Rights)

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) द्वितीय एक-दिवसीय शिविर (Second One-Day Camp) का आयोजन 20.02.2022 को हुआ। रा०से०यो० के छात्रों द्वारा वरुणा नदी तट के पास मंदिर परिसर (सिकरौल, वाराणसी) में महिलाओं के प्रति जागरूकता (Awareness About Women's rights) और मतदाता जागरूकता अभियान (Voter Awareness Campaign) आयोजित किया गया। छात्रों ने गीत एवं वार्ता के माध्यम से अपने विचार रखे और संभावित सुझाव भी दिए। कृषि विज्ञान (बी०एस०सी०-कृषि) का छात्र सुधांशु मतदाता जागरूकता के विषय पर अपना स्वरचित कविता सभी स्वयंसेवको के सामने प्रस्तुत किया जिसे सभी ने बहुत सराहा।

वार्ता में समाज में पल रहे स्त्री-पुरुष के सामाजिक अंतर पर रोष जताया और पास के क्षेत्र में जा कर लोगो को जागरूक भी किया। साथ ही इन स्वयंसेवको ने स्वच्छता कार्यक्रम (cleanliness program) में भाग लिया जिसकी तस्वीरें यहां साझा की गई हैं जो छात्रों के बीच जबरदस्त उत्साह को दर्शाती हैं। तदुपरांत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जो भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं, उनके बारे में चर्चा किया गया। इसके बाद गांव के लोगों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने तथा सफाई के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। इस मौके पर महाविद्यालय के कार्यक्रम प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने कहा कि अच्छी शिक्षा तथा स्वच्छता से सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है।

चित्र ४: कार्यक्रम प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय प्रथम इकाई के सभी स्वयंसेवको के साथ।

जलपान वितरण के बाद दूसरे सत्र में स्वयंसेवकों ने ग्रुप में अपने-अपने इकाई में निर्धारित विषय पर अपने-अपने विचारो को रखा जिससे स्वयंसेवक लाभान्वित हुए। कार्यक्रम अधिकारी (program officer) ने समाज सुधारक के रूप में आगे आने के लिए सभी स्वयंसेवकों का आहवाहन किया। मिशन शक्ति के बारे में स्वयंसेवकों को बताया गया। मिशन शक्ति के अन्तर्गत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया गया।

(क) सभी स्वयंसेवक साफ़-सफाई कार्य करते हुए।

(ख) सभी स्वयंसेवक साफ़-सफाई कार्य के बाद एकत्रित हुए।

चित्र ५: सिकरौल, वाराणसी में सभी स्वयंसेवक ने साफ़-सफाई कार्य किया।

कार्यक्रम प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय (प्रथम इकाई) ने चौपाल वार्ता के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकार द्वारा उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने महिला उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा की महिलाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा। समाज में लगातार बढ़ रही महिला हिंसा पर भी चिता की गई। उन्होंने महिलाओं को सशक्त करने, हिसाएं रोकने, समानता स्थापित करने का संदेश दिया। इस दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क व सैनिटाइजर लगाने का आह्वाहन किया। कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवकों को जलपान वितरित किया गया।

3. तृतीय एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 25.02.2022)

स्थान - स्मार्ट क्लासरूम २९ (बी०एस०सी० कृषि) उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - मेरा वोट, देश के विकास के लिए (My vote, for the development of the country)

उदय प्रताप कालेज, वाराणसी में राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) के अन्तर्गत तृतीय एक-दिवसीय शिविर (Third One-Day Camp) का आयोजन 25 फरवरी, 2022 को किया गया। एक वाद-विवाद का आयोजन डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) की उपस्थिति में किया गया। वाद-विवाद का शीर्षक था "मेरा वोट, देश के विकास के लिए (My vote, for the development of the country)"। इसके बाद स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं ने भी मताधिकार के महत्व पर चर्चा किया।

चित्र ६: वाद-विवाद "मेरा वोट, देश के विकास के लिए" मंच पर उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक प्रतिभागी।

चित्र ७: डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवको के साथ वार्ता करते हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के अतिथिगण ई० सुधीर नारायण मिश्रा (असिस्टेंट प्रोफेसर, कृषि अभियंत्रण विभाग), डॉ० संजय कुमार श्रीवास्तव (असिस्टेंट प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग) एवं डॉ० सुधीर कुमार शाही (असोसिएट प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग) उपस्थित रहे। तीन छात्रों को प्राचार्य द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन सभी छात्रों को रा०से०यो० के समापन दिवस (०४. मार्च, २०२२) पर प्रमाणपत्र दिया गया। जिनके नाम क्रमश: इस प्रकार से हैं।

1. आकाश सिंह चंदेल
2. प्रसून कुमार राय
3. सुधांशु सिंह

4. चतुर्थ एक-दिवसीय शिविर (दिनांक 08.03.2022)

स्थान - चक्का, हरहुआ, वाराणसी।

मुख्य अभियान - यातायात नियमो का पालन (Follow Traffic Rules)

उदय प्रताप कालेज, वाराणसी में चतुर्थ एक-दिवसीय शिविर (Fourth One-Day Camp) का आयोजन 08 मार्च, 2022 को हुआ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (International Womens Day) के रूप में मनाया जाने वाला आज का दिन काफी महत्वपूर्ण रहा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से मुलाकात और सरकारी सुविधाओं की बात की गई। साथ ही यातायात नियमो का पालन (follow traffic rules) शीर्षक पर स्वयंसेवको ने वाद-विवाद किया तथा अपना अपना तर्क रखा। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने कहा कि समाजसेवा द्वारा अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना ही रा०से०यो० (NSS) का लक्ष्य है। इसी क्रम में कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि रा०से०यो० से समाज के सभी वर्गों में जागरूकता आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र भक्ति ही सच्ची देश सेवा है।

आज सभी स्वयंसेवक चक्का गांव (हरहुआ, वाराणसी) में एकत्रित हुए। सभी मिल कर पहले ग्राम प्रधान से मिलने गए। फिर प्रधान के घर जाकर ग्राम सभा की विस्तृत जानकारी लिए। सभी स्वयंसेवक अपने कृषि विज्ञान से जुड़े सभी प्रकार के प्रश्नो का जवाब लिया तथा सुझाव भी बताये। ग्राम की महिलाओ के रहन-सहन एवं कार्य की समीक्षा ली गयी। ग्राम में एक सर्वेक्षण किया गया जिससे ग्राम की कृषि, रोजगार, शिक्षा, अर्थव्यवस्था इत्यादि की जानकारी लिया गया।

चित्र ८: कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय सभी स्वयंसेवको के साथ ग्राम चक्का (हरहुआ, वाराणसी) में।

चित्र ९: चक्का ग्राम प्रधान के फ़ार्म पर सभी स्वयंसेवको के साथ।

चित्र १०: चक्का ग्राम प्रधान के साथ कुछ स्वयंसेवक फोटो खिचाते हुए।

गाँव सर्वेक्षण

इसमें स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर लोगों से सर्वेक्षण प्रपत्र भरवाए। इसमें परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति एवं केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इसमें शिक्षा, चिकित्सा, साक्षरता, स्वच्छता, जल एवं पर्यावरण संरक्षण, मतदाता पंजीकरण, टीकाकरण, कचरा प्रबंधन, पेयजल, जल निकासी, वृद्ध, दिव्यांग एवं असहायों की समस्या, पेंशन (pension), स्वरोजगार (self-employment) आदि जानकारी एकत्रित की गई। स्वयंसेवक इन समस्याओं के निराकरण के प्रयास और लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक करेंगे।

संक्षिप्त गाँव सर्वेक्षण प्रपत्र

1. गाँव की पहचान व मूल सूचना 2. गाँव की बुनियादी संरचना एवं मूलभूत सुविधाएँ 3. गाँव की संयोजनता (सड़क) 4. भूमि, जंगल एवं बागवानी विवरण 5. गाँव की सामान्य बिजली की जरूरत 6. जल स्रोत (स्रोत से किलोमीटर में दूरी) 7. पावर के स्रोत (उपयुक्त पर निशान लगाए) घर में बिजली का कनेक्शन 8. गाँव में प्रमुख समस्याये, यदि कोई है इत्यादि। स्वयंसेवको ने सभी प्रकार से सर्वेक्षण किया जिसकी विस्तृत जानकारी स्वयंसेवको ने अपने कॉपी में नोट किया। ग्राम प्रधान ने ग्राम

के बारे में सभी प्रकार के विन्दुओ पर चर्चा की। ग्राम में किस प्रकार के रोजगार हैं? क्या और किस प्रकार के कृषि फसलों का उत्पादन किया जाता हैं? कृषि उपकरणों की जानकारी दिया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता

स्वयंसेवको ने सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम – यातायात नियमो का पालन के अंतर्गत सड़क सुरक्षा विषयक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवक सुधांशु ने सभी स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा संबंधी शपथ दिलाई। स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय ना केवल हमें सचेत रहना चाहिए बल्कि यातायात के नियमों का भी पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर होने वाली मृत्युदर इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि वाहन चलाने वाले व्यक्ति यातायात के नियमों का सही तरह ढंग से पालन नहीं करते। उन्होंने कहा कि रा०से०यो० के स्वयंसेवक न केवल स्वयं अनुशासित रहकर वाहन का प्रयोग करेंगे अपितु वे समाज के अन्य लोगों को भी सड़क जागरूकता के विषय में प्रेरित करेंगे। स्वयंसेवको को यातायात नियमों से परिचित कराते हुए निर्धारित गति से तेज वाहन न चलाने, हेलमेट का प्रयोग करने, नशा कर गाड़ी न चलाने, सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करते हैं जो उनके साथ-साथ दूसरों की जान के लिए भी खतरा बनता है। ऐसे करने से बचने की सलाह देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में पीछे नहीं हटना चाहिए। इस प्रकार रा०से०यो० का सामाजिक सेवा का लक्ष्य भी पूरा हो सकता हैं।

खंड 2 - सात-दिवसीय विशेष शिविर (दिन-रात)

सात-दिवसीय विशेष शिविर (दिन-रात)

Seven-Day Special Camp (Day-Night)

1. प्रथम दिवस दिनांक- 26.02.2022 (उद्घाटन सत्र)
2. द्वितीय दिवस दिनांक- 27.02.2022
3. तृतीय दिवस दिनांक- 28.02.2022
4. चतुर्थ दिवस दिनांक- 01.03.2022
5. पंचम दिवस दिनांक- 02.03.2022
6. षष्ठम दिवस दिनांक- 03.03.2022
7. सप्तम दिवस दिनांक- 04.03.2022 (समापन सत्र)

This page intentionally left blank

कार्य योजना

(26 फरवरी, 2022 से 04 मार्च, 2022 तक)

1. प्रथम दिवस	26.02.2022	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ Save Daughter, Educate Daughter
2. द्वितीय दिवस	27.02.2022	स्वच्छता दिवस Cleanliness Day
3. तृतीय दिवस	28.02.2022	पर्यावरण, वन एवम् वन्य जीव बचाओ Save environment, forest and wildlife
4. चतुर्थ दिवस	01.03:2022	कोरोना विषाणु (रक्षा एवं उपाय) Corona Virus (Protection and Measures)
5. पंचम दिवस	02.03.2022	सामाजिक सुरक्षा, सबका दायित्व Social Security, Everyone's Responsibility
6. छठा दिवस	03.03.2022	राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता (चुनौतियां एवं समाधान) National Integration and Integrity (Challenges and Solutions)
7. सप्तम दिवस	04.03.2022	समाजिक उत्थान मे रा०से०यो० की भूमिका Role of Nationals in Social Upliftment

इकाई में स्वयंसेवकों की संख्या - 50

This page intentionally left blank

मुख्य अतिथि

(26 फरवरी, 2022 से 04 मार्च, 2022 तक)

क्र० सं०	दिवस	दिनांक	सत्र	मुख्य अतिथि
1.	प्रथम दिवस	26.02.2022	प्रथम	---
			द्वितीय	डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी)
2.	द्वितीय दिवस	27.02.2022	प्रथम	---
			द्वितीय	डॉ० जगदीश सिंह दीक्षित (प्रदेश महामंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ)
3.	तृतीय दिवस	28.02.2022	प्रथम	श्रीमती अर्पना पांडेय (योग अध्यापिका)
			द्वितीय	डॉ० ओम प्रकाश चौधरी (अग्रसेन पी०जी० कॉलेज, वाराणसी)
4.	चतुर्थ दिवस	01.03:2022	प्रथम	---
			द्वितीय	---
5.	पंचम दिवस	02.03.2022	प्रथम	---
			द्वितीय	डॉ० विनीता सिंह (असोसिएट प्रोफेसर, आर्य महिला पी०जी० कॉलेज, वाराणसी)
6.	छठा दिवस	03.03.2022	प्रथम	---
			द्वितीय	मुख्य विकास अधिकारी (वाराणसी), श्रीमती नीलू मिश्रा (खेल मंत्रालय), डॉ० के०के० सिंह (कार्यक्रम समन्वयक, रा०से०यो०, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी), शशांक मिश्रा रेडियो जॉकी (रेडियो मिर्ची 98.3 ऍफ़०एम्०)
7.	सप्तम दिवस	04.03.2022	प्रथम	---
			द्वितीय	श्री चेतनारायण सिंह (पूर्व सदस्य, विधान परिषद)

This page intentionally left blank

कार्य प्रतिवेदन

(26 फरवरी, 2022 से 04 मार्च, 2022 तक)

1. प्रथम दिवस दिनांक- 26.02.2022 (उद्घाटन सत्र)

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ (Save Daughter, Educate Daughter)

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

उदय प्रताप कालेज, वाराणसी में राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) के सात-दिवसीय विशेष शिविर के प्रथम दिवस (उदघाटन सत्र) में 26 फरवरी, 2022 को इसका शुभारंभ महाविद्यालय के एम०पी० हॉल (Multi-Purpose Hall) में हुआ।

सभी स्वयंसेवकों ने सुबह से ही झाड़ू लगाने से लेकर स्वच्छता, सफाई अभियान चलाया तथा योग व्यायाम आदि से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डॉ० राजेश कुमार राय (प्रथम इकाई) ने स्वयंसेवकों को ऊर्जावान बने रहने के लिए नित्य व्यायाम और योग करने का आह्वान किया। बताया कि रा०से०यो० के माध्यम से सामाजिक दृष्टिकोण और सेवा भाव विकसित होता है। इससे व्यक्तित्व का विकास होता है।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

मुख्य अतिथि - डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी)

कार्यक्रमाधिकारी -

1. डॉ० राजेश कुमार राय (प्रथम इकाई)
2. डॉ० सपना सिंह (द्वितीय इकाई)
3. डॉ० संजीव कुमार सिंह (तृतीय इकाई)
4. डॉ० मनोज कुमार सिंह (चतुर्थ इकाई)

प्रथम दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ने रा०से०यो० के झंडा आरोहण से की। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" विषय पर औपचारिक रूप से प्राचार्य ने विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के उद्घाटन की घोषणा की। डॉ० सुधीर कुमार शाही (असोसिएट प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग) एवं डॉ० राकेश कुमार (असोसिएट प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र विभाग) ने सभी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। स्वयंसेवक अनिमेष सिंह, आशीष गुप्ता, सोनाली सिंह, प्रकृति गुप्ता, नीति त्रिपाठी, स्वाती सिंह, प्रजन्मा, आदि ने कार्यक्रम में अपने इकाई का प्रतिनिधित्व किया। रा०से०यो० के सभी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय, डॉ० सपना सिंह, डॉ० मनोज कुमार सिंह, एवं डॉ० संजीव कुमार सिंह अपने सभी स्वयंसेवकों के साथ उपस्थित रहे एवं स्वयंसेवकों का विशेष उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की कुछ झलकियां।

चित्र ११: डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी), डॉ० सुधीर कुमार शाही, डॉ० राकेश कुमार, डॉ० डी०डी० सिंह एवं चारो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ उदघाटन सत्र में रा०से०यो० का झंडा फहराने के दौरान।

(क)

(ख)

चित्र १२: मुख्य अतिथि डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी), डॉ० सुधीर कुमार शाही, डॉ० राकेश कुमार, डॉ० डी० डी० सिंह एवं चारो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ।

आज (26 फरवरी, 2022) सात-दिवसीय विशेष शिविर का पहला दिन है। मुख्य अतिथि डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) थे। अन्य अतिथियों में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ० सुधीर कुमार साही (पशुपालन विभाग) और डॉ० राकेश कुमार (कृषि अर्थशास्त्र विभाग) शामिल थे। मुख्य अतिथि और रा०से०यो० स्वयंसेवकों ने अपने दिन की शुरुआत राजा जुदेव सिंह (यू०पी० कॉलेज के संस्थापक) के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया। इसके बाद स्वयंसेवकों द्वारा रा०से०यो० थीम गीत गाया गया और दोपहर तक योग सत्र आयोजित किया गया।

रा०से०यो० की चारों इकाइयों का संयुक्त सात-दिवसीय विशेष शिविर (Seven-Day Special Camp) का शुभारंभ कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय (प्रथम इकाई), डॉ० सपना सिंह (द्वितीय इकाई), डॉ० संजीव कुमार सिंह (तृतीय इकाई), एवं डॉ० मनोज कुमार सिंह (चतुर्थ

इकाई) के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने सात-दिवसीय विशेष शिविर की रूपरेखा को प्रस्तुत किया तथा रा०से०यो० के इतिहास तथा उसके मूल उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा किया।

प्राचार्य डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्रों को सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित किया। डॉ० राजेश कुमार राय एवं डॉ० मनोज कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० संजीव कुमार सिंह ने किया। उद्घाटन सत्र में कालेज के विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें। इस बार शिविर का आयोजन दिन और रात दोनों पक्षों में हुआ।

(क) इकाई के कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ।

(ख) सभी स्वयंसेवक योगाभ्यास करते हुए।

चित्र १३: रा०से०यो० के प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी स्वयंसेवक।

डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ने अपने जीवन और समाज सेवा के अनुभव से स्वयंसेवकों को प्रबुद्ध किया। उन्होंने रा०से०यो० की भूमिका और समाज में रा०से०यो० के महत्व के बारे में बात किया। स्वयंसेवक रा०से०यो० की सेवाओं से कैसे सीख सकते हैं और वे बड़े पैमाने पर समाज में क्या योगदान दे सकते हैं।

डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि दैनिक जीवन में विज्ञान का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि जीवन को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जिया जाए तो युवाओं द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुत ही आसानी होती है। व्यक्ति का वैज्ञानिक [2]ष्टिकोण बड़ी से बड़ी समस्या को आसानी से हल कर सकता है। पूरा दिन ऊर्जा और जोश से भरा रहा। स्वयंसेवक समाज सेवा की प्रेरणा से फूले नहीं समा रहे थे।

2. द्वितीय दिवस दिनांक- 27.02.2022

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - स्वच्छता दिवस (cleanliness day)

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

दिनांक 27 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) उदय प्रताप कॉलेज द्वारा आयोजित सात-दिवसीय विशेष शिविर (Seven-Day Special Camp) का दूसरा दिन स्वच्छता दिवस के तौर पर मनाया गया। सुबह से ही सभी स्वयंसेवकों ने सर्वप्रथम योगाभ्यास, व्यायाम और प्रार्थना सत्र से मनाया। तत्पश्चात सभी इकाई के स्वयंसेवकों ने महाशिवरात्रि पर्व को ध्यान में रखकर लक्ष्मनपुर से लगे हुए शिवमंदिर (महाविद्यालय परिसर में स्थित) आदि स्थानों पर साफ-सफाई किया।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

मुख्य अतिथि – डॉ० जगदीश सिंह दीक्षित (प्रदेश महामंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) ।

मुख्य अतिथि डॉ० जगदीश सिंह दीक्षित ने छात्र जीवन में स्वच्छता एवं सफाई को मूल संस्कार के तौर पर दिलाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने जीवन के यादगार पलों से कुछ बातें स्वयंसेवको के साथ सांझा किया। उन्होंने बताया की रा०से०यो० किस तरह से समाज में योगदान दे रहा हैं और एक रा०से०यो० का स्वयंसेवक (volunteer) किस तरह से अपने आस-पास सुधार व बदलाव ला सकता हैं। सभी स्वयंसेवक उनके ज्ञानवर्धक बातों से लाभान्वित हुए कार्यक्रम की कुछ झलकियां नीचे प्रस्तुत की जा रही हैं।

चित्र १४: मुख्य अतिथि डॉ० जगदीश सिंह दीक्षित (प्रदेश महामंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) एवं चारो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ।

चित्र १५: वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ० सुधीर शाही जी एवं कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ परिसर की साफ़-सफाई करवाते हुए (शिवमंदिर, महाविद्यालय परिसर में स्थित) ।

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी में रा०से०यो० के अन्तर्गत द्वितीय दिवस स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि डॉ० जगदीश सिंह दीक्षित (प्रदेश महामंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) ने बताया कि राष्ट्र की सेवा स्वच्छता से प्रारंभ करनी चाहिए। विद्यार्थी जीवन में जब छात्र-छात्राए (18-22 वर्ष की आयु में) शिक्षा ग्रहण करते हैं तो उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सेवा व स्वच्छता के मायने भी सीखने चाहिए, क्योंकि विद्यार्थी जीवन की आयु में ही जो छात्र/छात्रा सीखता है। वह उसे जीवनपर्यंत काम आता है। अतः विद्यार्थी जीवन में प्रारंभ किया गया सेवा कार्य व स्वच्छता से संबंधित क्रियाएं उसके जीवन का अभिन्न अंग बन जाते हैं। विद्यार्थी को सुबह बिस्तर से उठने से महाविद्यालय जाने तक सभी कार्य अपने स्वयं के हाथों से करने चाहिए। महाविद्यालय में आने पर जल का दुरूपयोग नहीं करना, कचरा या रद्दी को डस्टबिन में डालना, इधर-उधर नहीं थूकना, अपने शिक्षकों का आदर करना, आपस में सद्यवहार से रहना आदि को भी अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में निःस्वार्थ निष्काम सेवा की आवश्यकता पूरे भारतवर्ष को है इन्हीं उद्देश्यों के साथ रा०से०यो० की स्थापना की गई थी जो वर्तमान समय में संचालित हो रही है और प्रत्येक स्वयंसेवक को निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करना चाहिए।

विद्यार्थी जीवन से ही समाजपयोगी कार्यों में रत रहने से उनमें समाजसेवा या राष्ट्रसेवा के गुणो का विकास होता है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान में सभी का अपेक्षित सहयोग काफी जरूरी है। स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय में सफाई के साथ-साथ स्वच्छता रैली भी निकाली और झाड़ू लगाकर श्रमदान किया। स्वयंसेवको ने रैली निकाली, जिससे लोगो को कचरा-पात्र में ही कूड़ा डालने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने बताया कि जब हम कचरे को अलग करते है तो कचरा भराव क्षेत्र में भारी कमी आती है और कचरे से होने वाले जल और वायु प्रदूषण में भी बहुत कमी आती है। कचरा अलग करने से कचरे के प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) में भी आसानी होती है। सूखा कचरा

पुनर्चक्रण (recycling) के लिए भेज दिया जाता है और गिला कचरा खाद बनाने के लिए भेज दिया जाता है। वहीं कचरा निस्तारण में घरों से निकले आर्गेनिक कचरे (organic waste) को बायो कंपोस्ट (bio compost) और मीथेन गैस (methane gas) में बदल कर लोगों द्वारा उपयोग किए गए खाद्य पदार्थों का इष्टतम उपयोग (optimum use) सुनिश्चित किया जा रहा है। मीथेन गैस जहां ऊर्जा का बेहतरीन स्रोत है वहीं जैविक खाद मिट्टी की ऊर्वरता को स्वाभाविक रूप से बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

3. तृतीय दिवस दिनांक- 28.02.2022

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - पर्यावरण, वन एवम् वन्य जीव बचाओ (Save environment, forest and wildlife)

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

मुख्य अतिथि – श्रीमती अर्पना पांडेय (योगा शिक्षिका) ।

सात-दिवसीय विशेष शिविर (Seven Day Special Camp) के तीसरे दिन दिनांक 28.2.2022 को सभी इकाई के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम स्थल एवं उसके आस-पास की सफाई किए। सभी स्वयंसेवक एम०पी० हाल (Multi-Purpose Hall) में पंक्तिबद्ध होकर प्रार्थना गीत गाया। शारीरिक प्रशिक्षण एवं योगासन के बाद झंडे के नीचे खड़े होकर झंडा गीत गाया गया।

दिनांक 28 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) के अन्तर्गत उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के स्वयंसेवको ने सात-दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिन "पर्यावरण, वन एवम् वन्य जीव बचाओ" दिवस के तौर पर मनाया। महाविद्यालय में पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए स्वयंसेवकों द्वारा रैली निकाली गई। इसके साथ-साथ महाविद्यालय परिसर की सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस उपलक्ष्य में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के तृतीय दिवस की शुरुआत योग और प्राणायाम करके किया गया। योग अध्यापिका श्रीमती अर्पना पांडेय ने योग के विभिन्न लाभ बताये और कुछ महत्वपूर्ण योग स्वयंसेवको से भी करवाए। कुछ मुख्य योगासन इस प्रकार से थे –

अष्टांग, हस्तपादासन, प्राणायाम, अर्ध चक्रसन, त्रिकोणासन, वीरभद्रासन, वृक्षासन, गरुडासन, जनु, मरजरिसाना, वज्रासन, धनुरासन, भुजंगासन, शलभासन, नौकासन पवनमुक्तासन, हलासन आदि।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय (प्रथम इकाई) व कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सपना सिंह भी स्वयंसेवको का मनोबल एवं उत्साह वर्धन करने के लिए योगाभ्यास किये। सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविका योगाभ्यास करने के उपरांत काफी प्रसन्न दिखे। सभी ने माना की योग से जीवन में बदलाव मुमकिन हैं।

चित्र १६: योग अध्यापिका श्रीमती अपर्णा पांडेय चारो इकाई के स्वयंसेवको को योगाभ्यास कराते हुए।

स्वयंसेवकों को दिया योग का प्रशिक्षण

वाराणसी। यूपी कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में सोमवार को 'पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव बचाओ' दिवस का आयोजन हुआ। शिविर के तीसरे दिन अपर्णा पांडेय ने स्वयंसेवकों को योग और प्राणायाम कराया।

चित्र १७: हिंदुस्तान समाचार पत्र में प्रकाशित (दिनांक 01/03/2022) ।

चित्र १८: चारो इकाई के स्वयंसेवको को योगाभ्यास कराते हुए।

चित्र १९: योग अध्यापिका एवं कार्यक्रम अधिकारी चारो इकाई के स्वयंसेवको को योगाभ्यास कराते हुए।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

मुख्य अतिथि –डॉ० ओम प्रकाश चौधरी (अग्रसेन पी०जी० कॉलेज, वाराणसी) ।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ० ओम प्रकाश चौधरी ने सभी स्वयंसेवक एवम् स्वयंसेविका को संबोधित किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ० राजेश कुमार राय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मनोज कुमार सिंह, डॉ० संजीव कुमार सिंह, डॉ० सपना सिंह उपस्थित रहे।

चित्र २०: डॉ० ओम प्रकाश चौधरी (अग्रसेन पी०जी० कॉलेज, वाराणसी) स्वयंसेवको को सम्बोधित करते हुए।

4. चतुर्थ दिवस दिनांक- 01.03.2022

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - कोरोना विषाणु (रक्षा एवं उपाय) (Corona Virus (Protection and Measures))

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) के सात-दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन दिनांक- 01.03.2022 को अन्य दिवस की भाँति स्वयंसेवकों ने साफ-सफाई के पश्चात् प्रार्थना किया। शारीरिक प्रशिक्षण एवं योग करने के बाद झंडे के नीचे खड़े होकर गीत गाया। स्वयंसेवकों ने मिल-जुलकर नाश्ते का वितरण किया। इस दिन हिन्दुओ का सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार महाशिवरात्रि का पर्व था जिससे सभी स्वयंसेवको में एक अलग ऊर्जा का आभास हो रहा था। महाशिवरात्रि का पर्व सभी स्वयंसेवको ने सात्विक ढंग से मनाया। अधिकतर स्वयंसेवक आज जल्दी ही तैयार हो कर मंदिर जा कर अपने आराध्य शिव की पूजा अर्चना कर आये थे।

कार्यक्रम के अगले भाग में "कोरोना विषाणु (रक्षा एवं उपाय)" शीर्षक पर सभी स्वयंसेवको ने अपने-अपने विचार रखे और वाद-विवाद प्रस्तुत किया। प्रकृति और मानव के बीच वर्चस्व का परिणाम है कोरोना। कोरोना की मार से सारा विश्व कराह रहा है। एक छोटा-सा अदृश्य वायरस ने मानव जाति के छदम् विकास के घमण्ड को तोड़ दिया है। यह सच्चाई कोरोना की मार से सामने उभर कर आई है। आज विश्व के करीब-करीब सभी देश जिसमें कुछ अपने आप को महाशक्ति मानते हों या महाशक्ति बनने का ख्वाब देखते हों, अपने आधुनिकतम हथियारों के साथ भी लाचार दिखाई दे रहे हैं। अधिकांश देशों की सैन्यशक्ति इस वायरस (virus) से लड़ने के लिए हैंड सैनिटाइजर (sanitiser),

फेस मास्क (face mask), पीपीई (PPE), दवाई के उत्पादन या नागरिकों को लॉकडाउन (lockdown) में रखने में व्यस्त है या घरों और अस्पतालों में पड़े लाशों को सैनिक ट्रक में भरकर श्मशान में ले जाते दिखाई दे रहे हैं।

देश में कोरोना वायरस के संकट के बीच कार्यक्रम प्रभारी डॉ० राजेश कुमार राय ने कहा कि भारत के हितों की विरोधी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत है जो स्थिति का फायदा उठाना चाहती हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित सभी लोगों की मदद भेदभाव के बिना की जानी चाहिए और देश के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। संकट की इस घड़ी में सहायता करना रा०से०यो० का दायित्व है।

चित्र २१: उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी में सभी स्वयंसेवक साफ़-सफाई कार्यक्रम से दौरान।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

द्वितीय सत्र में सभी प्रतिभागी महाशिवरात्रि के पर्व पर भोजन बना कर एक दूसरे को खिलाए और फिर अंत में खुद भी खाए। स्वयंसेवको की कुछ तस्वीरें यहाँ नीचे प्रस्तुत की जा रही हैं। इन तस्वीरो से या साफ़ प्रदर्शित हो रहा है की स्वयंसेवक एक दूसरे के साथ काम कर के प्रसन्न हैं।

(क)

(ख)

चित्र २२: सभी स्वयंसेवक एक दूसरे के साथ खाना पकाते हुए।

5. पंचम दिवस दिनांक- 02.03.2022

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - सामाजिक सुरक्षा, सबका दायित्व (Social Security, Everyone's Responsibility)

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

दिनांक 02 मार्च, 2022 को उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) की समस्त इकाईयों ने सात-दिवसीय विशेष शिविर (Seven-Day Special Camp) के पांचवें दिन समस्त स्वयंसेवकों ने प्रार्थना किया तथा ध्यान के बाद शिविर की सफाई के साथ योगाभ्यास से शुरू किया।

पंचम दिवस पर "सामाजिक सुरक्षा, सबका दायित्व" विषय पर वाद-विवाद का आयोजन हुआ। जिसमे छात्रों ने बहुत ही उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ० राजेश कुमार राय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति ऐसी परिस्थितियों से अपनी सुरक्षा चाहता है जो उसकी सुरक्षा को खतरे में डालती हो और उसकी नियमित आय को प्रभावित करती हो। यह सुरक्षा लोगों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा दी जा रही है। प्रारंभ में यह सुरक्षा परिवार द्वारा तथा व्यवसायिक संघों द्वारा सुरक्षा दी गई। भारत में संयुक्त परिवार में लोग काफी सुरक्षित थे जो समय के साथ कम होती चली गई। विज्ञान व तकनीकी के प्रादुर्भाव के साथ-साथ व्यापार व वाणिज्य का भी बहुत विस्तार हुआ तथा व्यवस्था में एक परिवर्तन आया जिस कारण व्यक्तिवाद, भौतिकवाद तथा शहरीकरण की प्रवृत्तियाँ बहुत तेजी से बढ़ी, जिस कारण समाज में अशिक्षित, रोजगार और गरीबी तथा निम्न स्तरीय जीवन जीने वालों का एक वर्ग पैदा हो गया जिसके सामाजिक संरक्षण की आवश्यकता पड़ी। सर्वप्रथम, 1935 में इंग्लैण्ड में सर विलियम

बीब्रिज नें सामाजिक सुरक्षा का विचार पांच चीजों के विरुद्ध प्रस्तुत किया, वो भी अभाव, बीमारी, अज्ञानता, बेकारी व गंदगी।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (International Labor Organization) ने सामाजिक सुरक्षा को इस प्रकार परिभाषित किया है- सामाजिक सुरक्षा उपयुक्त सामाजिक संगठनों द्वारा उसके सदस्यों की सुरक्षा उत्पन्न होने वाले खतरों के विरुद्ध की गई क्रिया है। फ्रीडलैण्डर (1963) के अनुसार सामाजिक सुरक्षा आधुनिक जीवन शैली, बेरोजगारी, वृद्धावस्था, निर्भरता, औद्योगिक दुर्घटना, अवैधानिकता जैसी चीजों से सुरक्षा हेतु समाज द्वारा की गई क्रिया है। चूंकि इन सबसे व्यक्ति अपने क्षेत्र व अपने परिवार सुरक्षित नहीं रख सकता।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

मुख्य अतिथि – डॉ० विनीता सिंह (असोसिएट प्रोफेसर, आर्य महिला पी०जी० कॉलेज, वाराणसी) ।

पाँचवें दिन आमंत्रित मुख्य अतिथि डॉ० विनीता सिंह ने सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने प्राचीन परम्पराओं पर अपने विचार प्रस्तुत किया। डॉ० सपना सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, यू०पी० कालेज, वाराणसी) ने रा०से०यो० पर विस्तार से चर्चा किया। छठे दिन स्वयंसेवकों ने बैनर के साथ अपने आवंटित गाँव में जाकर लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम के क्रम में आमंत्रित अतिथि वक्ताओं डॉ० विनीता सिंह, डॉ० अंजू सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर, रसायन शास्त्र विभाग) एवं डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (विभागाध्यक्ष, असोसिएट प्रोफेसर, उद्यान विभाग, उदय प्रताप कॉलेज) ने अपने अनुभव और विचार छात्रों के बीच सुनाया। डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह छात्र काल से जुड़े अनुभव और रा०से०यो० से जुड़े अनुभव छात्रों के साथ सांझा किया। उन्होंने ने बताया की छात्र जीवन में की गयी सेवा हमें जीवन पर्यन्त सम्माज में सेवा करना का भाव सीखा जाता हैं। इस समय सीखा हुआ ज्ञान हमे हमेशा याद रहता हैं और सही मायने में यही ज्ञान हमारे

काम भी आता हैं। डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह के प्रभावशाली व्यक्तव्य से सभी स्वयंसेवक लाभान्वित हुए। सभी स्वयंसेवको ने रा०से०यो० का जो लक्ष्य है "समाजसेवा" उसे अपने जीवन में अंगीकार करने का वचन दिया।

स्वयंसेवक रवि यादव, अंशु शुक्ला, मोनी चौहान आदि ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संचालन का भार सोनाली सिंह, उत्तम सिंह राठौर आदि छात्रों ने ही संभाले रखा।

चित्र २३: डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (विभागाध्यक्ष, असोसिएट प्रोफेसर, उद्यान विभाग, उदय प्रताप कॉलेज) स्वयंसेवको के साथ वार्ता करते हुए।

चित्र २४: इकाई के सभी स्वयंसेवक खाना पकाते हुए एवं परिसर की साफ़-सफाई करते हुए।

6. षष्ठम दिवस दिनांक- 03.03.2022

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता (चुनौतियां एवं समाधान) (National Integration and Integrity (Challenges and Solutions))

दिनांक 03 मार्च, 2022 को उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) ने सात-दिवसीय विशेष शिविर (Seven-Day Special Camp) के छठें दिन समस्त स्वयंसेवकों ने प्रार्थना किया तथा ध्यान के बाद शिविर की सफाई के साथ योगाभ्यास से शुरू किया।

षष्ठम दिवस पर "राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता (चुनौतियां एवं समाधान)" विषय पर वाद-विवाद का आयोजन हुआ। सभी स्वयंसेवकों ने राष्ट्र की एकता अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ ली। इस रा०से०यो० के सात-दिवसीय विशेष शिविर कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों, कार्मिक व्याख्याताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ० राजेश कुमार राय ने "वसुधैव कुटुम्बकम" के रूप में एक-भारत, श्रेष्ठ-भारत का सामंजस्य प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के आर्दशों पर चलकर व्यक्ति को गरीब एवं असहाय लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए तथा रा०से०यो० का लक्ष्य हासिल करना चाहिए।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

स्थान - भारत माता मंदिर, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

मुख्य अभियान - मतदाता जागरूकता एवं मतदाता टॉर्च रैली (Voter Awareness and Voter Torch Rally)

मुख्य अतिथि – कार्यक्रम समन्वयक डॉ० के०के० सिंह (महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी), श्रीमती नीलू मिश्रा (खेल मंत्रालय), मुख्य विकास अधिकारी (वाराणसी), शशांक मिश्रा रेडियो जॉकी (रेडियो मिर्ची 98.3 FM) ।

स्वीप योजना (SVEEP program) के तहत उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के रा०से०यो० की सभी इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा शत प्रतिशत मतदान हेतु मतदाता जागरूकता मशाल रैली निकाली गई। स्वयंसेवकों ने मतदाता जागरूकता से संबंधित नारों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया एवं लोगों से संपर्क करके उनको मतदान के महत्व को समझाया तथा लालच तथा भय से मुक्त होकर मतदान हेतु निवेदन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय ने उनके इस प्रयास की सराहना की है। कार्यक्रम प्रभारी शिक्षक डॉ० राजेश कुमार राय के मार्गदर्शन में उक्त अभियान चलाया गया।

भारत माता मंदिर, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में रा०से०यो० की सभी इकाई के स्वयंसेवक मौजूद रहे और स्वयंसेवक रवि यादव, अंशु शुक्ला, मोनी चौहान, अपूर्व सिंह, सचिन कुमार पटेल,सुधांशु सिंह, आकाश कुमार दुबे, जाह्नवी, अंकिता सिंह, वंशिका सिंह, आंचल सिंह एवं ग्रुप, एकता सिंह, रोशनी सोनकर, प्रीति, बृजेश आदि ने भारत माता मंदिर प्रांगण में गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान पर एक लघु नाटक - पूर्णिमा सिंह, अभय

सिंह एवं टीम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संचालन का भार सोनाली सिंह, उत्तम सिंह राठौर, स्वाती सिंह, आदि छात्रों ने ही संभाले रखा।

शाम को 5.00 बजे से मतदाता टॉर्च रैली में शामिल राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) के समस्त इकाई के छात्र छात्राओं ने जबरदस्त उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण, उदय प्रताप कॉलेज के रा०से०यो० के छात्र एवं छात्राओं का नुक्कड नाटक रहा। कार्यक्रम की मुख्य झलकियां निचे प्रस्तुत की जा रही हैं।

समस्त कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार राय, डॉ० मनोज कुमार सिंह, डॉ० सपना सिंह, डॉ० संजीव कुमार सिंह आदि छात्रों का मार्गदर्शन एवं उत्साह वर्धन करते रहे।

चित्र २५: भारत माता मंदिर के प्रांगण में इकाई के कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ।

चित्र २६: मतदाता टॉर्च रैली में शामिल राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ० के०के० सिंह एवं खेल मंत्रालय से श्रीमती नीलू मिश्रा स्वयंसेवको के साथ।

स्वीप योजना (SVEEP - Systematic Voters Enroll and Education Participation Program/ सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम)

स्वीप योजना (SVEEP program) - मजबूत लोकतंत्र-सबकी भागीदारी। यह भारत में मतदाता शिक्षा, मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने एवं मतदाता की जानकारी बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है। यह भारत के निर्वाचकों को सजग करने और उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित बुनियादी जानकारी से लैस करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। स्वीप का प्रमुख लक्ष्य निर्वाचनों के दौरान सभी पात्र नागरिकों को मत देने और जागरूक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके भारत में सही मायनों में सहभागी लोकतंत्र का निर्माण करना है। यह कार्यक्रम विविध प्रकार के सामान्य एवं लक्षित ऐसे इंटरवेंशनों पर आधारित हैं, जो राज्य के सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय प्रोफाइल के साथ-साथ निर्वाचनों के पिछले चक्रों में निर्वाचकीय सहभागिता के इतिहास और उनसे मिली सीख के अनुसार अभिकल्पित किए गए हैं।

7. सप्तम दिवस दिनांक- 04.03.2022 (समापन सत्र)

स्थान - ऍम०पी० हॉल, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी।

मुख्य अभियान - समाजिक उत्थान मे रा०से०यो० की भूमिका (Role of NSS in social upliftment)

प्रथम सत्र/ FIRST SESSION

दिनांक 04 मार्च, 2022 को उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना (रा०से०यो०) की सात-दिवसीय विशेष शिविर का आज अन्तिम दिन (समापन सत्र) रहा। समस्त स्वयंसेवकों ने सर्वप्रथम प्रार्थना तथा ध्यान किया फिर उसके बाद शिविर की सफाई तत्पश्चात योगाभ्यास किया। आज समापन सत्र हैं इसलिए सभी स्वयंसेवक अपने-अपने निर्धारित दिए गए कार्य को करने में जुट गए जिससे कार्यक्रम को अधिक सफल बनाया जा सके। सभी अतिथिगण को भोजन कराया गया तत्पश्चात सभी स्वयंसेवको ने भोजन किया।

द्वितीय सत्र/ SECOND SESSION

मुख्य अतिथि – श्री चेतनारायण सिंह (पूर्व सदस्य, विधान परिषद) ।

अध्यक्ष - डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ।

अन्य अतिथिगण - डॉ० सुधीर कुमार शाही (असोसिएट प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) और डॉ० डी०डी० सिंह (कंप्यूटर विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ।

कार्यक्रम प्रभारी - डॉ० राजेश कुमार राय (असिस्टेंट प्रोफेसर, कृषि अभियंत्रण विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ।

कार्यक्रम संचालन - डॉ० सपना सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) ।

मुख्य अतिथि श्री चेतनारायण सिंह ने रा०से०यो० के बारें में सभी स्वयंसेवको को अवगत कराया तथा विस्तृत जानकारी दी। सप्तम दिवस पर द्वितीय सत्र में "समाजिक उत्थान मे रा०से०यो० की भूमिका" विषय पर वाद-विवाद का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के अगले भाग में डॉ० राजेश कुमार राय ने सात-दिवसीय विशेष शिविर की विवरणिका से अवगत कराया। रा०से०यो० कार्यक्रम प्रभारी ने होने वाले कार्यक्रम के दौरान होने वाली कुछ ख़ास बातो को साँझा किया तथा भविष्य में रा०से०यो० के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने कहा की भविष्य में आउटरीच प्रोग्राम (outreach program) के तहत अधिक से अधिक कार्यक्रम महाविद्यालय के बाहर आयोजित की जाएंगी। साथ ही उन्होंने बताया की किस तरह से महाविद्यालय में होने वाली परीक्षाएं, राज्य में मतदान प्रक्रिया, स्वीप योजनाओ, और मतदान प्रशिक्षण में ड्यूटी लगने से कार्यक्रम कैसे प्रभावित हुआ। और तो और साथ ही कोरोना-19 की वजह से किस प्रकार दिक्कते आई उसके बारे में अपना अनुभव सांझा किया।

कार्यक्रम के अगले भाग में कार्यक्रम अधिकारी (इकाई ३) डॉ० संजीव कुमार सिंह ने पुरस्कारों की घोषणा की। स्वयंसेवक रवि यादव, अंशु शुक्ला, मोनी चौहान, अपूर्व सिंह, सचिन कुमार पटेल, सुधांशु सिंह, आकाश कुमार दुबे, जाह्नवी, अंकिता सिंह, वंशिका सिंह, आंचल सिंह एवं ग्रुप, एकता सिंह, रोशनी सोनकर, प्रीति, बृजेश आदि को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान पर एक लघु नाटक - पूर्णिमा सिंह, अभय सिंह एवं टीम ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में 03 मार्च, २०२२ को प्रस्तुत किया था, जिसके लिए महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा पूरी टीम को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी (इकाई ४) डॉ० मनोज कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन एवं आभार प्रकट किया। रा०से०यो० चलने वाले इस पूरे सात-दिवसीय विशेष शिविर में छात्रों ने जबरदस्त उत्साह से भाग लिया।

चित्र २७: श्री चेतनारायण सिंह, डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी), डॉ० सुधीर कुमार शाही, डॉ० डी० डी० सिंह एवं चारो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवको के साथ।

चित्र २८: डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह (प्राचार्य, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी) सभी स्वयंसेवको को प्रमाणपत्र बाँटते हुए।

This page intentionally left blank

परिशिष्ट/ APPENDIX

A. रा०से०यो० वार्षिक गतिविधि कालदर्शक (NSS Annual Activity Timepiece)

क्रमांक	उत्सव विवरण	तिथि एवं माह
1.	राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
2.	राष्ट्रीय युवा सप्ताह	2 से 19 जनवरी
3.	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस	24 सितम्बर
4.	गणतन्त्र दिवस	26 जनवरी
5.	महिला दिवस	8 मार्च
6.	विश्व वन दिवस	21 मार्च
7.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
8.	अग्नि शमन दिवस	14 अप्रैल
9.	विश्व मजदूर दिवस	1 मई
10.	मई दिवस	1 मई
11.	पोषक खाद्य सप्ताह	1 मई से 7 मई
12.	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
13.	वन महोत्सव सप्ताह	1 जुलाई से 7 जुलाई
14.	परमाणुशस्त्र निरोधक आन्दोलन	6 अगस्त
15.	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त
16.	सद्भावना दिवस	20 अगस्त
17.	शिक्षक दिवस	5 सितम्बर
18.	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस/सप्ताह	8 से14 सितम्बर
19.	गांधी जयन्ती	2 अक्टूबर
20.	विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर
21.	संयुक्त राष्ट्र खाद्य	24 अक्टूबर
22.	यातायात नियन्त्रण सप्ताह	24 से 30 अक्टूबर
23.	बचत दिवस	31 अक्टूबर
24.	राष्ट्रीय एकता दिवस	31 अक्टूबर

25. बाल दिवस	14 नवम्बर
26. मातृ दिवस	19 नवम्बर
27. कौमी एकता सप्ताह	19 से 25 नवम्बर
28. पर्यावरण चेतना माह	19 नवम्बर से 18 दिसम्बर
29. निर्बल वर्ग दिवस	22 नवम्बर
30. अन्तर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस	5 दिसम्बर
31. मानवाधिकार दिवस	10 दिसम्बर

B. सुझाई गई गतिविधियों की सूची (Suggested activities list)

(1) शिक्षा और मनोरंजन

1. कार्यात्मक साक्षरत
2. शालेय शिक्षा।
3. शाला छोड़ने वाले बच्चो की शिक्षा।
4. बाल गृहों में कार्य।
5. शाला और बालवाड़ी चलाना शालेय पौष्टिक आहार कार्यक्रम।
6. शाला प्रवेश कार्यक्रम।
7. शाला पुस्तकालय और बुक बैंक।
8. सांस्कृतिक गतिविधियाँ।
9. युवा क्लब, ग्रामीण एवं स्थानीय खेल।
10. सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए चर्चा।
11. समूह गीत।
12. जागरुकता कार्यक्रम।
13. अन्य गतिविधियाँ।

(2) आपातकाल में किये जाने वाले कार्यक्रम

1. आवश्यक वस्तुओं के वितरण में अधिकारियों को सहयोग।
2. टीका लगाने, दवाईयों के वितरण एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों में स्वास्थ्य अधिकारियों को सहयोग।
3. स्थानीय अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में सहयोग।
4. स्थानीय लोगों को पुनः निर्माण में सहयोग।

5. स्थानीय प्रभावित लोगों के लिए दान एवं कपड़े एकत्र कर वितरण करना।
6. अन्य गतिविधियाँ।

(3) पर्यावरण संवर्धन तथा परिरक्षण

1. ऐतिहासिक स्मारकों को संभालना तथा उनकी देखरेख, सांस्कृतिक विरासत को संभालने के बारे में जागरुकता पैदा करना, मन्दिरों का नवीनीकरण।
2. पर्यावरण स्वच्छता एवं कूड़ा-करकट हटाना, खाद बनाना।
3. सड़कें, गाँव की गलियाँ और नालियाँ बनाना एवं उनकी सफाई करना और पर्यावरण की सफाई करना।
4. साफ-सुथरे संडासों और मूत्रालयों का निर्माण।
5. ग्रामीण तालाबों एवं कुओं की सफाई।
6. पौधों के प्रति जागरुकता पैदा करना।
7. पौधे लगाना तथा वृक्षों की साज सम्हाल तथा देखरेख।
8. भूमिक्षरण की रोकथाम और भूमि परिरक्षण के लिये कार्य।
9. गोबर गैस संयत्रों का निर्माण और उन्हें लोकप्रिय बनाना।
10. वृक्षारोपण पूर्व कार्य।
11. पार्कों का निर्माण।
12. पर्यावरण की समस्याओं के बारे में समुदाय में जागरुकता पैदा करना।
13. जंगलों और जंगली जानवरों की सुरक्षा के बारे में लोगों को जानकारी देना।
14. सौर ऊर्जा गैस चूल्हों को लोकप्रिय बनाना।
15. गन्दी बस्तियों में सफाई।
16. अन्य गतिविधियाँ।

(4) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा आहार पोषण कार्यक्रम

1. सामूहिक टीके लगाने का कार्यक्रम।
2. आहार पोषण कार्यक्रम के लोगों के साथ कार्य करना।
3. व्योधिक (Pathological) जाँच।
4. सुरक्षित तथा स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था।
5. एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम।

6. स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल।
7. जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण।
8. रक्तदान शिविर।
9. मरीजों को सहायता।
10. अनाथों और वयोवृद्ध व्यक्तियों को सहायता।
11. शारीरिक विकलांगों एवं दिमागी तौर पर कमजोर व्यक्तियों को सहायता।
12. चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना।
13. मेडिको सौंसर सर्वेक्षण।
14. औषधालयों को चलाने में सहायता।
15. नशीली दवाईयों के विरुद्ध अभियान।
16. अन्य गतिविधियाँ।

(5) उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम

1. उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी।
2. चूहा नियन्त्रण तथा कीट नियन्त्रण।
3. घास-पात नियन्त्रण।
4. भूमि परीक्षण और भूमि स्वास्थ्य की देखभाल।
5. कृषि यन्त्रों की मरम्मत में सहायता।
6. ग्रामों में सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए कार्य।
7. मुर्गी पालन, पशु पालन,पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता और मार्गदर्शन।
8. उर्वरकों और संकर बोजों के उपयोग के बारे में जागरुकता।
9. अन्य गतिविधियाँ।

(6) समाज सेवा कार्यक्रम

1. महिला कल्याण संगठनों में कार्य।
2. महिलाओं को बुनाई, सिलाई, कढ़ाई का प्रशिक्षण।
3. महिलाओं को उनके अधिकारों का उपयोग करने की जागरुकता प्रदान करना।
4. ग्राम गोद लेना।
5. सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य।

6. गन्दी बस्तियों में समाज सेवा।
7. ग्राम विकास बैंकों की भूमिका के सम्बन्ध में जनचेतना जागृत करना।

(7) प्रदूषण रहित पर्यावरण का परिरक्षण

1. नदियों की सफाई।
2. पानी का विश्लेषणं।

(8) अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जायें

1. प्रशंसा और पुरस्कार बिना मांगे मिलें तभी अच्छे लगते हैं।
2. ईमानदार होने का अर्थ है, हजारों मनकों में अलग-अलग चमकने वाला हीरा।
3. उत्तम संग और मधुर भाषण सद्गुण के स्तम्भ हैं।
4. उद्देश्यपूर्ण कार्य में लगे रहिये, यश स्वयं आपके पास आयेगा।
5. भूलने की आदत को त्यागने का प्रयास करें।
6. दूसरों के साथ वह व्यवहार न करो, जो तुम्हें अपने लिये पसन्द नहीं।
7. अनुशासित एवं विनम्र दिलों में राज्य करते हैं।
8. साहस और दृढ़ता से अपना मार्ग प्रशस्त करो।

C. प्रेरक उद्बोधन (Motivational Slogans)

1. कश्मीर हो या कन्या कुमारी। भारत माता एक हमारी॥
2. मानव-मानव एक समान। जांत पांत का मिटे निशान॥
3. सूखी धरती करे पुकार। वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार॥
4. शिक्षा से अन्याय मिटायें। भाई-चारा खूब बढ़ायें॥
5. पढ़ना लिखना है आसान, पढ़-लिखकर सब बनो महान॥
6. भाषा वस्त्र, जाति अनेक। एक हृदय है भारत देश॥
7. अन्धकार को क्यों धिक्कारें। अच्छा हो एक दीप जलायें॥
8. जागे देश की क्या पहचान पढ़ा लिखा मजदूर किसान॥
9. आओ सभी कर लें संकल्प। पढ़ कर करलें काया कल्प॥
10. प्रौढ़ शिक्षा आई नई रोशनी लाई।
11. पढ़ेंगे पढ़ायेंगे जीवन सुखी बनायेंगे।
12. पढ़ लो बहनों, पढ़ लो भाई। पढ़ना लिखना है सुखदाई॥

D. रा०से०यो० से जुड़े व्यक्तियों के परिचय (Introduction of persons associated with NSS)

1. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी/ Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi

कार्यक्रम समन्वयक/ Program Coordinator

डॉ० कृष्ण कुमार सिंह/ Dr. Krishna Kumar Singh
Mob: +91 9450 592 696
Email_id: nss.office@mgkvp.ac.in

2. उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी/ Udai Pratap College, Varanasi

प्राचार्य /Principal

डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह/ Dr. Dharmendra Kumar Singh
Mob: +91 9412 677 448
Email_id: principalupc@gmail.com

कार्यक्रम प्रभारी/ Program Incharge

डॉ० (ई०) राजेश कुमार राय /Dr. (Er.) Rajesh Kumar Rai
Mob: +91 9873 499 390
Email_id: rkrai_agre@yahoo.com

कार्यक्रमाधिकारी/ Program Officers

1. **डॉ० (ई०) राजेश कुमार राय/ Dr. (Er.) Rajesh Kumar Rai**

Mob: +91 9873 499 390

Email_id: rkrai_agre@yahoo.com

2. **डॉ० मनोज कुमार सिंह/ Dr. Manoj Kumar Singh**

Mob: +91 9532 108 334

Email_id: manoj.upc@gmail.com

3. **डॉ० संजीव कुमार सिंह/ Dr. Sanjeev Kumar Singh**

Mob: +91 9450 537 927

Email_id: sanjeev1bhu@gmail.com

4. **डॉ० सपना सिंह/ Dr. Sapna Singh**

Mob: +91 9451 023 715

Email_id: sapana13jan@gmail.com

*****

समाप्त

*****

राष्ट्रीय सेवा योजना/ NATIONAL SERVICE SCHEME

एक दिवसीय शिविर/ ONE DAY CAMP
एवं/ AND
विशेष शिविर (सात-दिवसीय)/ SPECIAL CAMP (SEVEN DAYS)
कार्य का विवरण/ WORK DESCRIPTION

प्रथम इकाई/ UNIT-I

उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी

UDAI PRATAP COLLEGE, VARANASI

सम्बद्ध महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी – २२१ ००२, उत्तर प्रदेश, भारत

Affiliated to Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi - 221 002, Uttar Pradesh, India

अप्रैल २०२३/ APRIL 2023

This page intentionally left blank